परियोजना का नाम :-देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत ऋषिकेश के **IDPL** (वीरभद्र) परिसर कक्ष सं. १ में पूर्व से चल रहे केंद्रीय विद्यालय के भवन का नवीनीकरण हेतु वन भूमि हस्तांतरण प्रस्ताव।

प्रतिवेदन

1. **भूमिका :-** केन्द्रीय विद्यालय भारतमें प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा का प्रबंध है, जो मुख्यतः भारत की केन्द्र सरकार / राज्य सरकार के कर्मचारियों के बच्चों एवं साधारण आर्थिक क्षमता वाले परिवार के बच्चों के लिए बनाया गया है। इस की शुरुआत 1965 में हुई तथा यह तब से भारत के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से अनुबन्धित है। इस समय भारत में केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या 1,128 अथवा इस से अधिक है। इस के अतिरिक्त विदेश में तीन केन्द्रीय विद्यालय हैं जिनमें भारतीय दूतावासों के कर्मचारियों तथा अन्य प्रवासी भारतीयों के बच्चे पढ़ते हैं। विद्यालयों में भारत के राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के पाठ्यक्रम का अनुसरण होता है। सभी केन्द्रीय विद्यालयों का संचालन मानव विकास मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत संचालित स्वायत्त संस्था केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा किया जाता है।

केंद्रीय विद्यालय ऋषिकेश इसी संगठन का अंग है जो ऋषिकेश में वर्ष 1978 से समाज को अपनी सेवाएँ दे रहा है| प्रारंभ मे यह IDPL(वीरभद्र) द्वारा संचालित था परन्तु IDPL (वीरभद्र) के अनुरोध पर वर्ष 2001 में इसे बंद कर दिया गया | बाद में यह विद्यालय वर्ष 2003-2004 में सिविल सेक्टर के अंतर्गत राज्य सरकार के प्रयोजन पर पुनः खोला गया तथा केन्द्रीय विद्यालय संगठन के नियमानुसार केन्द्रीय विद्यालय ऋषिकेश के नव भवन हेतु राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराया जाना है जिसका व्यय केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा किया जायेगा |

केंद्रीय विद्यालय के उदेश्य:- केन्द्रीय विद्यालयों के प्रमुख चार मिशन इस प्रकार हैं -

I. केन्द्रीय सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों, जिनमें रक्षा तथा अर्धसैनिक बलों के कर्मी भी शामिल हैं, के बच्चों को शिक्षा के सामान्य कार्यक्रम के तहत शिक्षा प्रदान कर उनकी शैक्षिक अवश्यकताओं को पूरा करना।
II. विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठता और गति निर्धारित करना।
III. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) इत्यादि जैसे अन्य निकायों के सहयोग से शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग तथा नवाचार को सम्मिलित करना।
IV. बच्चों में राष्ट्रीय एकता और 'भारतीयता' की भावना का विकास करना।

2. **योजना / प्रस्ताव का संक्षिप्त विवरण :-** ये योजना पूर्ण रूप से केंद्रीय विद्यालय संगठन , (मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था) द्वारा संचालित कीजा रही है | माननीय केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री के पत्र दिनांक के आधार पर केंद्रीय विद्यालय ऋषिकेश को भूमि उपलब्ध कराने की बात राज्य सरकार को लिखा गया है | समस्त राज्यों में केंद्रीय विद्यालय हेतु भूमि राज्य सरकार द्वारा ही किया जाता है | इस परियोजना की भूमि को IDPL (वीरभद्र) के द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) भी जारी किया गया है |

सुधा गुप्ता
प्राचार्या / प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय ऋषिकेश

3. **योजना / प्रस्ताव का उद्देश्य** :- इस प्रस्ताव का उद्देश्य देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत ऋषिकेश के**IDPL** (वीरभद्र) परिसर कक्ष सं. १ में संचालित हो रहे केंद्रीय विद्यालय के पुराने भवन के स्थान पर नवीन भवन निर्माण हेतु वन भूमि का हस्तांतरण है ताकि नव भवन का निर्माण पूरी सुविधा एवं नव –मानकों के अनुरूप किया जा सके | इस विद्यालय में लगभग ११०० बच्चे अध्ययनरत हैं जिनमें सैन्य एवं साधारण आर्थिक क्षमता वाले परिवार के बच्चे ज्यादा संख्या मेंहैं (प्रवेश दिशानिर्देश संलग्न है) | इन परिवारों के बच्चों के लिए यह विद्यालय एक वरदान है | केंद्रीय विद्यालय ऋषिकेश को भूमि हस्तांतरण के बाद संगठन के द्वारा इसमें नव भवन का निर्माण किया जाएगा एवं विद्यालय अपनी पूर्ण सुविधाओं के साथ जनता को समर्पित हो जाएगा |

4. **वित्तीय व्यवस्था/ योजना का बजट :-** इस परियोजना का बजट केंद्रीयं विद्यालय संगठन (मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था) के नियमों के आधार पर केंद्रीय विद्यालय संगठन के द्वारा ही प्रदान किया जायेगा|

5. **समस्यायें जिनका समाधान होगा :-** इस भूमि के हस्तांतरण से केंद्रीय विद्यालय ऋषिकेश के नव भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ होगा एवं वर्तमान विद्यार्थियों को पूर्ण गुणवक्ता युक्त नव विद्यालय भवन का लाभ मिल पायेगा साथ ही साथ भविष्य में अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल पाएगा |

6. **योजना / परियोजना का औचित्य / सस्टेनेबिलिटी** :- केंद्रीय विद्यालय ऋषिकेश वर्ष 1978 से निरंतर वीरभद्र , ऋषिकेश एवं आसपास के समाज को अपनी सेवाएँ दे रहा है | केंद्रीय विद्यालय ऋषिकेश के नव भवन निर्माण होने से न केवल वर्तमान के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे बल्कि ऋषिकेश एवं इसके आस पास के क्षेत्र में एक बेहतरीन शैक्षणिक माहौल का निर्माण करने में मदद मिलेगी एवं भविष्य में हजारों परिवारों के लिए एक सरल, सुगम एवं उचित दर पर बेहतरीन शिक्षा प्राप्त होगी|

7. **विद्यालय की वर्तमान स्थिति :-** वर्तमान में विद्यालय, IDPL (वीरभद्र) ऋषिकेश के द्वारा प्रदत्त भवन में चल रहा है, जिसका नव निर्माण किया जाना आवश्यक है परन्तु इस पर नव निर्माण कार्य करना नियमों के अधीन संभव नहीं है | वर्ष 2010 से 2016 के बीच विद्यालय भवन सुरक्षित न होने के कारण बंद होने की स्थिति में आ गया था परन्तु विद्यालय की प्राचार्या एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से भवन की मरम्मत संभव हुई और विद्यालय बंद होने की स्थिति से उबर पाया | माननीय सांसद श्री रमेश पोखरियाल की सांसद निधि से भवन की छत का मरम्मत कार्य किया गया एवं माननीय विधायक एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमचंद्र अग्रवाल जी के द्वारा विद्यालय की आंतरिक मरम्मत कराया गया |

सुधा गुप्ता
प्राचार्या / प्राचार्य
कें0 वि0, वीरभद्र, ऋषिकेश

8. **भूमि की उपलब्धता की स्थिति :-** वर्तमान भूमि देहरादून वन प्रभाग के वीरभद्र के कक्ष संख्या 1 के अंतर्गत आती है और इसके लिए IDPL (वीरभद्र) ऋषिकेश के द्वारा वन विभाग को केन्द्रीय विद्यालय ऋषिकेश को भूमि हस्तांतरण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया है | वर्तमान भूमि का संयुक्त प्रारम्भिक सर्वेक्षण वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा किया गया | वर्तमान विद्यालय भूमि 2.41 हे० की है एवं इसके चारों तरफ से 5 फीट की बाउंड्री वॉल का घेराव है तथा इसमें 116 पेड़ मिश्रित प्रजाति के हैं जिनका **पातन नहीं** किया जाना है | केंद्रीय विद्यालय संगठन के नियमो के अनुसार विद्यालय भूमि के लिए कम कम 2.1 हे० (लगभग 5 एकड़) की आवश्यकताहै बाकी के बचे हुए भूमि पर ग्रीन बेल्ट , कम्पोजिट पिट , औषधि बाग़ का निर्माण किया जायेगा |

9. **रोजगार की संभावना :-** नव भवन के निर्माण से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से करीब 700 दिनों तक 200 कुशल /अर्ध कुशल लोगों को रोजगार मिलेगा |

सुधा गुप्ता
प्राचार्या Principal
प्रयोक्ता एजेंसी के वि ऋषिकेश K.V Rishikesh
प्राचार्या / प्राचार्य
के0 वि0, वीरभद्र, ऋषिकेश

प्रभागीय वनाधिकारी
देहरादून वन प्रभाग,
देहरादून

एम प्रभागीय वनाधिकारी
ऋषिकेश
देहरादून वन प्रभाग देहरादून